मृदुल पत्रिका समाचार पत्र को समस्त जिलों एवं तहसील-कस्बों में संवाददाताओं की आवश्यकता है। सम्पर्क सूत्र 9828888853

दैनिक

मृदुल पत्रिका

राजस्थान, दिल्ली, उत्तरप्रदेश एवं हरियाणा से प्रकाशित

हमारे यहां किताबों व समाचार पत्रों की प्रिन्टिंग की जाती है सम्पर्क सूत्र 9571039307 (भरत प्रिंटर्स एण्ड सैल्स कॉर्पोरेशन)

पृष्ठ 8 वर्ष: 15 मूल्य 2.00 रु. अंक 35 | जयपुर, गुरुवार, 14 सितम्बर, 2023 | RNI/RAJHIN/2008/27048 | dainikmridulpatrika@gmail.com | 9413193990

सीरी में हिंदी सप्ताह के दौरान कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

सुशील शुक्ला ने कविता पाठ की दोनों प्रतियोगिताओं में बाजी मारी

पिलानी (बाबूलाल घोघलिया/ मृदुल पत्रिका)। सीरी पिलानी में आयोजित किए जा रहे हिंदी सप्ताह के दौरान कल कविता पाठ (स्वरचित एवं कविता पाठ (अन्य कवि) प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के अंतर्गत सहकर्मियों, परियोजना कार्मिकों व छात्र-छात्राओं आदि ने अपनी एवं अन्य कवियों की रचनाओं का वाचन किया।

कविता पाठ (स्वरचित) में डॉ सुशील शुक्ला, प्रधान वैज्ञानिक ने 'क्यों सीता मां को भेजा वन में' शीर्षक से अपनी कविता पढ़ी और प्रथम स्थान प्राप्त किया। ये ज़िंदगी क्या है शीर्षक से कविता पाठ कर सुश्री अनिता गहलोत, परियोजना सहायक ने द्वितीय और 'रातों का उजाला - संध्या वर्णन' शीर्षक कविता पढ़कर सुश्री निकिता राजपुरोहित, जेआरएफ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सुश्री मंदाकिनी सिंह, परियोजना सहायक ने 'आनंदित पवन' शीर्षक से अपनी कविता द्वारा प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया।

इसी प्रकार कविता पाठ (अन्य कवि) प्रतियोगिता में भी सुशील शुक्ला ने 'कहां पर बोलना है' (कवि अज्ञात) रचना द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं अशोक शर्मा, वरिष्ठ तकनीशियन ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की 'कृष्ण की चेतावनी' कविता द्वारा द्वितीय; विक्रम सिंह रावत, तकनीकी अधिकारी ने नवीन शौरी की 'भारत का जवान' कविता का वाचन कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सुश्री मंदाकिनी सिंह, परियोजना सहायक ने हरिवंशराय बच्चन द्वारा रचित 'ख्वाहिश नहीं मुझे मशहूर होने की' कविता पढ़कर प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया।

इसके अलावा अन्य सहकर्मियों ने भी अपनी स्वरचित एवं अन्य कवियों की रचनाओं के वाचन से वाह-वाही लूटी। उपस्थित श्रोताओं ने तालियों से कवियों का उत्साहवर्धन किया।

निर्णायक मंडल में सीरी विद्या मंदिर के आचार्य संजय शर्मा, सीएसआईआर-सीरी के प्रशासनिक अधिकारी महेन्द्र सिंह और वरिष्ठ हिंदी अधिकारी रमेश बौरा शामिल थे। निर्णायकों ने विजेताओं को बधाई दी तथा प्रतिभागियों के काव्य पाठ के लिए उनकी सराहना की।